# <u>कम्प्यूटर पर हिंदी का प्रयोग</u>

क्षेत्रपाल शर्मा
संयुकत निदेशक,
क.रा.बी.निगम(श्रम मंत्रालय)
नई दिल्ली

क. **<u>हिंदी उपकरण</u>**

आज के समय में कम्प्यूटर साक्षरता का होना बहुत जरूरी है । इसके माध्यम से वार्तालाप, दैनंदिन के काम, भुगतान एवं मनोरंजन सब कुछ एक ही जगह उपलब्ध है । प्राय: विन्डोज के वातावरण वाले कम्प्यूटर मिलते हैं लेकिन इनमें कुछ 'पाइरेसी' वाले हो सकते हैं। कुछ ऐसे भी ओपन सोर्स के साफ्टवेयर हैं जो नि:शुल्क हैं, जैसे लाइनक्स । इसका Open Office.org3 अंग्रेजी, तमिल एवं हिंदी में काम करने योग्य है जिसे www.filehippo.com से डाउनलोड किया जा सकता है । किसी भी कम्प्यूटर की जानकारी के लिए आप कंट्रोल पैनल से 'सिस्टम इनफार्मेशन' कमाण्ड द्वारा प्राप्त कर सकते हैं । इसी तरह व्यक्तिगत कम्प्यूटर पर प्रयोग के लिए Avast antivirus को www.avast.com से डाउनलोड किया जा सकता है जो (पिन लेने पर) एक वर्ष के लिए नि:शुल्क है । इसी प्रकार www.hindikunj.com से अंग्रेजी-हिंदी शब्दकोश नि:शुल्क डाउनलोड किया जा सकता है । 'हिंदी कुंज' एक ऐसी साइट है जहॉ से आप कहानी, उपन्यास, नाटक, उर्दू शायरी, जो आपको पसंद हो, पूरी किताब डाउनलोड कर सकते हैं और आराम के क्षणों में अपने कम्प्यूटर पर पढ़ सकते हैं । ऐसी ही साइट www.sahityakunj.com है जिस पर हिंदी पत्रिकाएं भी उपलब्ध हैं ।

ख. **<u>फाण्ट की समस्या</u>**

हिंदी फाण्ट की कम्प्यूटर पर सबसे बड़ी समस्या तब व्यावहारिक रूप से उत्पन्न होती है जब हम एक फाण्ट पर वर्ड/नोटपैड पर टाइप करके ई-मेल से दूसरी जगह भेजते हैं और वह फाण्ट उस कम्प्यूटर पर न हो तो कम्प्यूटर अन्य चिह्नों में पढ़ता है । फाण्ट की अराजकता की ऐसी स्थिति से बचने के लिए राजभाषा विभाग, भारत सरकार ने यह सलाह दी है कि 'मंगल फाण्ट' अपनाया जाए । 'मंगल' फाण्ट यूनीकोड है । इन्स्क्रिप्ट की-बोर्ड को मान्यता दी गई है । समाचार पत्र, मठाधीश अपनी-अपनी साइटें अलग-अलग फाण्ट में लिखते हैं ।

यदि कम्प्यूटर पर कोई पेज हिंदी में नहीं खुल रहा हो तो view → encoding → utf 8 करके देखें अथवा internet explorer है तो अन्य ब्राउजर बदलकर देखें जैसे opera साइट का नाम है www.opera.com

हिंदी में काम करने के लिए www.pratibhaas.blogspot.com पर कई उपकरण दिए गए हैं । ऐसे ही उपकरण www.baraha.com, www.bhashaindia.com एवं www.ildc.in पर मिल सकते हैं । ये हिंदी में काम करने में बड़े मददगार सिद्ध होंगे । उर्दू शब्दकोश www.jamrood.com से लोड कर सकेंगे । www.ildc.in साइट पर तो रजिस्टर करके मनचाही भाषा की नि:शुल्क सी.डी. भी मंगा सकते हैं । gist typing tool की हिंदी टंकण में मदद ले सकते हैं ।

ग. **फाण्ट परिवर्तक**

यदि आपको कोई ऐसा ई-मेल अटैचमेंट प्राप्त हुआ है जो आपके कम्प्यूटर पर खुल नहीं रहा है तो फाण्ट के नाम की जानकारी होने पर आप एक दो मिनट में ही 'कन्वर्टर' की सहायता से पूरी फाइल को कन्वर्ट कर सकते हैं । ये कन्वर्टर आपको www.cdac.in, www.ildc.in एवं www.pratibhaas.blogspot.com आदि साइट पर मिलेंगें । जिस तरह फाण्ट को बदला जा सकता है उसी प्रकार म्यूजिक आदि की फाइल को भी बदला जा सकता है जैसे wav to mp3 आदि । इनके साफ्टवेयर भी नि:शुल्क (लेकिन ट्रायल) milksoft साइट पर उपलब्ध हैं ।

रीड ऑनली सामग्री जिस भाषा (सी, सी प्लस, जावा, फोरट्रान, पर्ल, रूबी आदि) में प्रोग्राम लिखा है, उसी रूप में वह मानीटर पर दिखेगी । हिंदी के प्रोग्राम इसलिए यूनीकोड 'मंगल' फाण्ट में ही लिखे जाएं अर्थात् नोटपैड/वर्ड पर यदि आप मंगल में सामग्री लिखेंगे/साइट/पोर्टल बनाएंगे तो जिस भी कम्प्यूटर पर इसे खोला जाएगा, वह ऐसा ही दिखेगा, जैसा लिखा गया था ।

अब वह दिन दूर नहीं रहा कि bios सेटिंग्स, कमाण्ड एवं यू.आर.एल. में भारतीय भाषाओं का भी प्रयोग होने लगेगा ।

मोबाइल पर तो एस.एम.एस. हिंदी में भेजने एवं प्राप्त करने की सुविधा कई नामी कम्पनियां दे भी रही हैं ।

घ. **विण्डोज पर हिंदी**

विण्डोज वातावरण के दो हजार वर्जन के ऊपर के कम्प्यूटरों में आसानी से हिंदी को एक्टीवेट किया जा सकता है । start → settings → regional options → languages यहॉं ड्राप डाउन करके हिंदी या indic ime सलेक्ट करें । Apply OK करके वापस आएं अथवा लेंगुएज टैब डाउन करके language left to right सलेक्ट करके उसमें हिंदी चुनकर Apply OK करके वापस आएं । सम्भवत: टास्क बार पर जहॉं है उस पर भाषा को बदल सकेंगे । माइक्रोसॉफ्ट की ओरीजिनल सी.डी. में बहुत भाषाएं उपलब्ध हैं ।

साथ ही सी-डेक के हिंदी श्रुतलेखन साफ्टवेयर का भी प्रचार होना चाहिए, जिससे टाइप करने की जरूरत को बेहद कम किया गया है । आपके बोलने पर कम्प्यूटर हिंदी में टाइप करने लगेगा । इसकी कुल कीमत अनुमानित साढ़े पांच हजार है और साइट का नाम www.cdac.in है । यह बहुत उपयोगी साफ्टवेयर है ।

ङ. **आप-अपना ब्लॉग**

यदि आपमें रचनात्मक प्रतिभा है तो आप अपनी साइट/पोर्टल बनाकर हिंदी, अंग्रेजी व अन्य भाषाओं में यह इच्छा पूरी कर सकते हैं । साइट के नाम हैं wordpress.com एवं blogspot.com । आपको केवल एक वैध ई-मेल पहचान की आवश्यकता होगी । आप इस पर शीर्षक (यू.आर.एल.) दे पाएंगे एवं पिक्चर, गाने अपनी आवाज में लोड भी कर सकेंगे। एक विशेष पहचान (अंकीय) दी जाएगी जो अन्य जानकारियॉं भूल जाने पर आपके पोर्टल

तक पुन: आपकी पहुंच कराएगी ।

इसमें आप अपना परिचय भी लोड कर पाएंगे ।

च. **<u>जी.पी.एस.(ग्लोबल पोजिस्निंग सिस्टम)</u>**

सेटेलाइट आधारित 'गूगल अर्थ' एवं 'विकीमापिया' के अतिरिक्त खोज तलाशी के लिए instamapper एवं buddyway दो ऐसी साइटें हैं, जो आपको, आपके मित्रों की लोकेशन बताने में सहायता करती हैं अर्थात् किसी की भी लोकेशन एवं नक्शे की जानकारी मोबाइल पर (यदि पर्याप्त मेमोरी है) तो gmaps अथवा Nav4all भी लोड करने से आसान रहेगा।

इन पर जो फ्री साफ्टवेयर हैं, उन्हें क्रमश: कम्प्यूटर एवं मोबाइल पर लोड किया जा सकता है । www.accutrekking भी ऐसी ही साइट है । कई साइटें फर्जी व अनर्गल भी हो सकती हैं । अत: थोड़ी सावधानी बरतने की जरूरत है ।

छ. **<u>भाषा, व्याकरण एवं साहित्य</u>**

भाषा, व्याकरण एवं साहित्य के लिए निम्न साइटें ज्यादा लाभप्रद रहेंगी :-

www.hindinideshalaya.nic.in
www.hindikunj.com
www.sahityakunj.com
www.pratibhaas.blogspot.com
www.akshargram.blogspot.com
www.anubhuti-hindi.org
www.bbchindi.com

हिंदी कुंज साइट पर व्याकरण आदि दिया गया है । कविता की विभिन्न विधाओं पर जानकारी अनुभूति हिंदी डाट आर्ग साइट पर उपलब्ध है ।

ज. **<u>ई-पुस्तकें</u>**

हिंदी प्रचार-प्रसार के लिए हिंदी निदेशालय की उपरोक्त साइट पर जानकारी ली जा सकती है । ई-पुस्तकें हिंदी भाषा में 'हिंदी कुंज' साइट पर लोड करने योग्य पी.डी.एफ. फॉर्मेट में उपलब्ध हैं । हिंदी में संत ज्ञानेश्वर की ज्ञानेश्वरी भी www.docstoc.com आंशिक रूप से (अध्याय 7 से आगे) उपलब्ध है ।

**झ. <u>पोर्टल, वैब पेज</u>**

पोर्टल, वेबसाइट एवं वैबपेज हिंदी में आसानी से लिखने के लिए www.baraha.com की सहायता ली जा सकती है । यह साइट बाराह डाइरेक्ट पर हिंदी, गुजराती एवं अन्य भारतीय भाषाओं में पृष्ठ लिखने की सुविधा उपलब्ध कराती है । इसके अपने फाण्ट कन्वर्टर हैं। यह साफ्टवेयर नि:शुल्क है ।

'माझी दुनिया' साइट देखेंगे तो आप पाएंगे कि देवाशीष एवं अन्य महानुभावों ने इस ओर अच्छे प्रयास किए हैं । इसी प्रकार एक अन्य साइट

www.djajankanto/com/2005/1/thout-any-time भी दर्शनीय है ।

उसी तरह यूनीकोड जैसा लिखने के लिए एक अन्य साइट www.kqulonline-com/uninagari है ।

साथ ही हिंदी में पेज तैयार करने के लिए आप यह साइट भी देखें www.iitedu/laksvij/language/hindi-html एवं www.bhashaindia.com/developer-pt os level html भी देख लें । इसी तरह की सुविधाएं www.ildc.in/hindi index aspx पर भी मिलेंगी ।

मंगल यूनीकोड है । आप इसे डाउनलोड करने एवं अन्य मनपसंद फाण्ट को डाउनलोड करने के लिए http://devanaagarii.net/fonts पर अवश्य जाएं ।

जब आप पेज अंग्रेजी में लिख चुके हों तो हिंदी में पेज लिखकर उसके ऊपर कापी पेस्ट करें । अगर अलग पेज हिंदी भाषा में लिखा है तो आप सबसे ऊपर यह टेग अंग्रेजी में अवश्य दें :-

<meta http=equiv="<br>
content — language"<br>
content = "hindi"<br>
<meta http — equiv ="<br>
content — type "content="<br>
text/ html . charset = utf 8" >

अथवा यह टेग

html lang = "hin" >

इस प्रकार कम्प्यूटर डिस्प्ले हिंदी भाषा में होगा । इस टैग को लगाना बहुत जरूरी है।

अन्य भारतीय लिपियों से देवनागरी में बदलने के लिए आप http://devanaagarii.net/hi/girgit की मदद ले सकते हैं ।

पता: क्षेत्रपाल शर्मा
शांतिपुरम
(छोटे शिव मंदिर वाली गली),
सासनी गेट, अलीगढ़,
उत्तर प्रदेश